# रेपो दर में कटौती कर सकता है रिजर्व बैंक

## रेपो दर वह दर है जिस पर केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालिक ऋण देता है

**मुंबई, 30 नवंबर. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगले सप्ताह होने वाली बैठक में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद है. रेपो दर वह दर है जिस पर केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालिक ऋण देता है. एमपीसी की बैठक 03 से 05 दिसंबर को होने वाली है. इससे पहले अक्टूबर को हुई बैठक में रेपो तथा अन्य नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है.**

पिछली बार आरबीआई गर्वनर ने कहा था कि मुद्रास्फीति की कम दरों को देखते हुए रेपो दरों में कटौती की गुंजाइश है, लेकिन केंद्रीय बैंक और आंकड़ों का इंतजार करेगा. वह वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में की गयी कटौती तथा अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर उच्च आयात के प्रभाव को देखना चाहेगा. इन दोनों ही मोर्चों पर आंकड़े काफी अच्छे आये हैं. अमेरिकी प्रतिबंध के बावजूद दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर 8.2 प्रतिशत रही है जिसने विशेषज्ञों को भी चौंका दिया है.

साथ ही खुदरा मूल्य आधारित मुद्रास्फीति की दर अक्टूबर में 0.25 प्रतिशत पर रही जो 13 साल में सबसे कम है. इस प्रकार सभी कारक ब्याज दरों में कटौती का समर्थन कर रहे हैं. स्वयं केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री भी हाल ही में उद्योग मंडल फिक्की की बैठक में संकेत दे चुके हैं कि आरबीआई ब्याज दरों में कटौती कर सकता है. इसके अलावा, लगभग सभी प्रमुख रेटिंग एजेंसियों की राय है कि मौजूदा वित्त वर्ष में कम से कम एक बार और रेपो दर घटाये जायेंगे.

कम मुद्रास्फीति के कारण लोगों के पास व्यय योग्य आय अधिक हो गयी है. दूसरी तरफ, व्यक्तिगत आयकर में छूट की सीमा बढ़ाकर 12 लाख रुपये करने और जीएसटी की दरों में कटौती से सरकारी राजस्व को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए यह जरूरी है कि लोग अधिक खर्च करें. इसलिए ब्याज दरों में कटौती जरूरी है. इससे निजी पूंजी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा जो पिछले लंबे समय से सुस्त पड़ा है. मौजूदा समय में अर्थव्यवस्था के सभी कारकों को देखते हुए संभावना है कि इस सप्ताह रेपो दर में कम से कम 0.25 प्रतिशत की कटौती की जायेगी.

## एफपीआई ने नवंबर में 4,114 करोड़ रुपये का किया शुद्ध निवेश

**मुंबई, 30 नवंबर.** विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय पूंजी बाजार में नवंबर में 4,114 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया. सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार नवंबर में एफपीआई ने जितना पैसा निकाला उससे 4,114 करोड़ रुपये ज्यादा लगाये. यह लगातार दूसरा महीने है जब पूंजी बाजार में एफपीआई का निवेश सकारात्मक रहा है. एफपीआई ने नवंबर में डेट में 4,674 करोड़ रुपये और म्यूचुअल फंड में 3,098 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया.

# 80 करोड़ डॉलर से अधिक का ऋण देगा एडीबी

**11** करोड़ डॉलर का कर्ज गुजरात कौशल विकास कार्यक्रम के लिए | **10** लाख डालर की तकनीकी सहायता स्विफ्ट परियोजना के लिए

**नयी दिल्ली, 30 नवंबर.एशियाई विकास बैंक महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में विभिन्न परियोजनाओं के लिए 80 करोड़ डॉलर का ऋण देगा. एडीबी ने इस संबंध में शुक्रवार को भारत सरकार के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये.**

वार्ता के दौरान केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व आर्थिक मामलों के विभाग के संयुक्त सचिव (एडीबी और जापान) ने किया. भारत की ओर से विभाग के उपसचिव सौरभ सिंह और एडीबी की ओर से भारत में मिशन की निदेशक मियो ओका ने समझौतों पर हस्ताक्षर किये. एक समझौता महाराष्ट्र में बिजली वितरण से जुड़ा है जिसके लिए 50 करोड़ डॉलर का ऋण दिया जायेगा.

महाराष्ट्र में बिजली परियोजना के तहत ग्रामीण बिजली अवसंरचना का आधुनिकीकरण करना, विकेन्द्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना है.

### यह परियोजना राज्य के मत्स्य संसाधनों को करेगी सुदृढ़

इंदौर में मेट्रो रेल परियोजना के लिए 19.06 करोड़ डॉलर और गुजरात कौशल विकास कार्यक्रम के लिए करीब 11 करोड़ डॉलर का कर्ज मिलेगा. इसके अलावा, 10 लाख डॉलर की तकनीकी सहायता अनुदान पर भी हस्ताक्षर किये गये जो असम में आगामी सस्टेनेबल वेटलैंड एंड इंटीग्रेटेड फिशरीज ट्रांसफ़ॉर्मेशन (स्विफ्ट) परियोजना के कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करेगा. यह परियोजना राज्य के वेटलैंड पारिस्थितिक तंत्र और मत्स्य संसाधनों को सुदृढ़ करने के लिए बनायी गयी है.

# एसुस भारत की दूसरी सबसे बढ़ी कंज्यूमर नोटबुक कंपनी

**नयी दिल्ली, 30 नवंबर. ताइवान की प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनी एसुस इंडिया ने वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के लिए भारत में कंज्यूमर नोटबुक कंपनी के रूप में दूसरा स्थान हासिल कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है.**

आईडीसी क्वार्टरली पर्सनल कम्प्यूटिंग डिवाइस ट्रैकर, 2025 क्यू3 की रैंकिंग में उसने यह उपलब्धि हासिल की है.

कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस बात से स्पष्ट है कि एसुस हर साल उल्लेखनीय वृद्धि कर रहा है. यह वृद्धि ब्रांड के प्रति ग्राहकों के भरोसे को बनाये रखने, प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के विस्तार और देश के 600 से अधिक जिलों में खुदरा टचपॉइंट्स बढ़ाने के प्रयासों का परिणाम है. विज्ञप्ति में कहा गया है कि एसुस इंडिया ने एसुस एआई पीसी, कंज्यूमर और गेमिंग नोटबुक्स के साथ-साथ एआईओ, डेस्कटॉप और एक्सेसरीज़ श्रेणियों में महत्वपूर्ण नवाचार पेश किये हैं.

इस साल कंपनी ने मल्टी-कलर विवोबुक, आरओजी एली एक्स और कई सफल अभियानों की शुरुआत की जो काफी लोकप्रिय हुए. एआईओ सेग्मेंट में भी इसने बाजार में दबदबा बनाये रखा और प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर सबसे ज्यादा बिकने वाले उत्पाद में शामिल रहा. एसुस इंडिया ने सबसे हल्का कोपायलट प्लस पीसी, आरओजी एली ए14 लॉन्च किया.

## सोना-चांदी फिर उछले रेट आसमान पार

**नई दिल्ली, 30 नवबंर.** सोने और चांदी के बाजार में इस सप्ताह जबरदस्त उथल-पुथल देखने को मिली. जहां एक तरफ फ़ेडरल संकेत, डॉलर इंडेक्स में हलचल और घरेलू मांग ने गोल्ड की कीमतों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, वहीं चांदी ने इस बार सभी पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए नया लाइफटाइम हाई बना दिया. शादी-विवाह के सीजन की डिमांड ने भी 20, 22 और 24 कैरेट गोल्ड रेट्स को तेज रफ़्तार दी है. चाहे मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज की बात करें या खुदरा बाजारों की—हर जगह गोल्ड और सिल्वर की कीमतें तेजी से उछली हैं. बीते 5 कारोबारी दिनों में 24 कैरेट सोने के वायदा भाव में तेज उछाल दर्ज हुआ है, जिससे निवेशकों में भी हलचल बढ़ी है. दूसरी तरफ चांदी ने तो इस सप्ताह मानो अपने 'तेजी अवतार' से बाजार को चौंका दिया.

# युवाओं के लिए फैशन स्टेटमेंट बन गयी है खादी

## कुमार ने नवयुग खादी फैशन शो के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए यह बात कही

**नयी दिल्ली, 30 नवंबर. खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष मनोज कुमार ने शनिवार को कहा कि आज के युवा तेजी से खादी को अपना रहे हैं और नये युग की खादी उनके लिए फैशन स्टेटमेंट बन गयी है. कुमार ने यहां प्रगति मैदान स्थित राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय एवं हस्तकला अकादमी में आयोजित नवयुग खादी फैशन शो के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए यह बात कही.**

फैशन शो में मॉडलों ने खादी के सुंदर-सुंदर पारंपरिक और आधुनिक परिधानों में रैम्प वॉक किया. मुख्य अतिथि श्री कुमार ने फैशन शो में प्रदर्शित परिधानों तथा कारीगरों की सराहना की.

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन के नारे के बाद से इसकी लोकप्रियता काफी बढ़ी है. साल 2014 में खादी की बिक्री 30-35 हजार करोड़ रुपये थी जो 10 साल में बढ़कर 1.75 लाख करोड़ पर पहुंच गयी है. कार्यक्रम का आयोजन केवीआईसी, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर खादी, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) और भारतीय फैशन डिजाइन परिषद ने मिलकर किया.

### प्रदर्शनी में विविध क्षेत्रीय शिल्पों का प्रदर्शन

राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय एवं हस्तकला अकादमी में 28 नवंबर से 03 दिसंबर तक डिजाइनर टीम के मार्गदर्शन में साड़ियां परिधान, यार्डेज, एक्सेसरीज़ और गृह-सज्जा के उत्पाद देशभर के खादी संस्थानों के माध्यम से तैयार कर एक ही स्थान पर प्रदर्शित किये जा रहे हैं. प्रदर्शनी में ओडिशा की इकत, असम की एरी सिल्क, गुजरात की तंगालिया, कर्नाटक की सिल्क, बंगाल की कॉटन, तेलंगाना और बिहार की बुनाइयों जैसे विविध क्षेत्रीय शिल्पों का प्रदर्शन किया गया है.

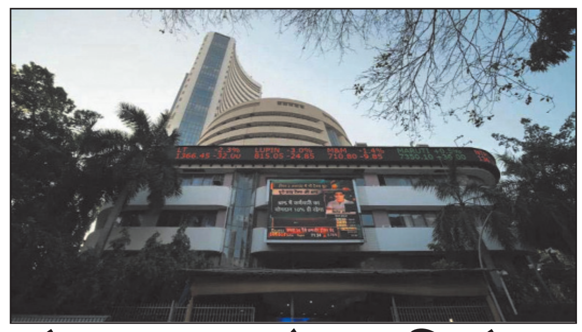

# शेयर बाजारों पर दिखेगा घरेलू कारकों का असर

**आने वाले सप्ताह में घरेलू कारकों का असर हावी रहेगा**

**बीएसई का सेंसेक्स पहली 86 हजार अंक के पार**

**मुंबई, 30 नवंबर. घरेलू शेयर बाजारों में लगातार तीसरी साप्ताहिक तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में घरेलू कारकों का असर हावी रहेगा. सप्ताह की शुरुआत बढ़त के साथ हो सकती है और बीएसई का सेंसेक्स पहली बार 86 हजार अंक के पार बंद हो सकता है.**

पिछले सप्ताह बीच कारोबार में इसने 86 हजार अंक का आंकड़ा छुआ था, लेकिन वहां टिक नहीं सका था. चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े शुक्रवार को जारी किये गये जिसमें वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत दर्ज की गयी. पहली तिमाही में जीडीपी 7.8 प्रतिशत बढ़ा था. इसका असर सोमवार को बाजार खुलने पर दिखेगा. इसके अलावा अगले सप्ताह अक्टूबर के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक, विनिर्माण क्षेत्र के लिए नवंबर के पीएमआई और नवंबर के वाहनों की बिक्री के आंकड़े जारी होने वाले हैं. रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की द्विमासिक समीक्षा बैठक भी 03-05 दिसंबर तक होने वाली है. इन सभी कारकों पर निवेशकों की नजर बनी हुई है.

बीते सप्ताह 30 शेयरों वाला संवेदी सेंसेक्स 474.75 अंक (0.56 प्रतिशत) की साप्ताहिक बढ़त के साथ शुक्रवार को 85,706.67 अंक पर बंद हुआ.

### निफ्टी 26,300 अंक पार

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी बीच कारोबार में 26,300 अकं के पार गया था. शुक्रवार को यह 26,202.95 अंक पर बंद हुआ जो 134.80 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त दिखाता है. सप्ताह के दौरान मझौली कंपनियों में जहां लिवाली का जोर रहा, वहीं छोटी कंपनियों में बिकवाली हावी रही. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.27 प्रतिशत चढ़ गया. निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 0.10 प्रतिशत की गिरावट रही.

# अनंत गोयंका बने फिक्की के नये अध्यक्ष

## फिक्की की 98वीं आम सभा के दौरान किया पदभार ग्रहण

**नयी दिल्ली, 30 नवंबर. आरपीजी समूह के उपाध्यक्ष अनंत गोयंका ने 2025-26 के लिए उद्योग मंडल फिक्की के अध्यक्ष का पद भार संभाल लिया है जबकि सनमार समूह के अध्यक्ष विजय शंकर नये वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने हैं. फिक्की की 98वीं आम सभा के दौरान दोनों ने पदभार ग्रहण किये.**

डालमिया भारत लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुनीत डालमिया ने उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली है.

श्री गोयंका टायर, बुनियादी ढांचा, फार्मा और आईटी तथा अन्य क्षेत्रों में कारोबार करने वाली 4.8 अरब डॉलर के आरपीजी समूह के उपाध्यक्ष हैं. वह 10 साल तक टायर बनाने वाली कंपनी सिएट के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी रहे थे. उनके कार्यकाल में कंपनी का बाजार पूंजीकरण 25 गुना बढ़ा था. सिएट से पहले वह यूनीलिवर और केईसी इंटरनेशनल में भी काम कर चुके हैं. रसायन, इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी और शिपिंग क्षेत्रों के लिए विनिर्माण करने वाली सनमार समूह के अध्यक्ष शंकर टीवीएस मोटर, भारतीय परिवहन निगम, ऑरिएंटल होटल्स और कावेरी रिट्रीट्स एंड रिजॉर्ट्स के निदेशकमंडलों में स्वतंत्र निदेशक हैं.

## घर बैठे सकेंगे आधार मोबाइल नंबर अपडेट

**नई दिल्ली, 30 नवबंर.** आधार अपडेट प्रक्रिया को और आसान बनाते हुए घोषणा की है कि अब नागरिक घर बैठे अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर बदल सकेंगे. इसके लिए न तो किसी तरह के डॉक्यूमेंट की जरूरत होगी और न ही एनरोलमेंट सेंटर जाने की. पूरी प्रक्रिया आधार मोबाइल ऐप के जरिए ओटीपी वेरिफिकेशन और फेस ऑथेंटिकेशन से पूरी हो जाएगी. यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को इस डिजिटल सर्विस का लॉन्च किया. इस पहल के तहत सबसे पहले यूजर को आधिकारिक आधार ऐप डाउनलोड करना होगा.

# चावल और चीनी मजबूत

## गेहूं नरम; दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

**नयी दिल्ली, 30 नवंबर. घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गये. चीनी में भी तेजी रही जबकि गेहूं की कीमतों में गिरावट देखी गयी. खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा.**

घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत दो रुपये बढ़ी और सप्ताहांत पर यह 3,822.15 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा. गेहूं 10 रुपये टूटकर 2,838.46 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गया. आटे की कीमत 3,302.14 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही. बीते सप्ताह सरसों तेल 59 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ. पाम ऑयल में 46 रुपये और सोया तेल में 36 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट देखी गयी. वनस्पति नौ रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया. मूंगफली तेल की कीमत 22 रुपये और सूरजमुखी तेल की पांच रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी. दाल-दलहनों में मूंग दाल की कीमत 16 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी.

## समाचार विशेष

# गोंदिया की हॉट सीट बनी तिरोड़ा

## 7 दावेदारों में किसका होगा नगराध्यक्ष पर कब्जा

**मुंबई. गोंदिया जिले की तिरोड़ा नगर परिषद के चुनाव 2 दिसंबर को होने हैं. तिरोड़ा नप पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद प्रफुल पटेल का गढ़ है, लेकिन पिछले चुनाव में भाजपा ने उनके गढ़ में सत्ता हथिया ली थी.**

इस बार कांग्रेस के जिलाध्यक्ष दिलीप बंसोड़, भाजपा विधायक विजय रहांगडाले और राष्ट्रवादी कांग्रेस के सर्वस्व प्रफुल पटेल ने अपनी प्रतिष्ठा दांव पर लगा दी है और एक-दूसरे के गढ़ तोड़ने के लिए रणनीति बना रहे हैं. इसलिए, निगाहें इस बात पर हैं कि आखिर तिरोड़ा नप में दबदबा किसका है.

तिरोड़ा नप में 20 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं. जिसके लिए 91 उम्मीदवार मैदान में हैं तथा नगराध्यक्ष पद के लिए 7 उम्मीदवार मैदान में हैं. यहां नगराध्यक्ष का पद ओबीसी गट के लिए रिजर्व है. यहां अभी भाजपा के विधायक विजय रहांगडाले हैं. इसलिए, इस नजरिए से देखें तो मनपा पर भाजपा का झंडा लहरा रहा है. इसलिए, तीनों पार्टियों ने एक-दूसरे का गढ़ तोड़ने की रणनीति बनानी शुरू कर दी है. राष्ट्रवादी कांग्रेस के अजित पवार गुट के पूर्व विधायक राजेंद्र जैन और कांग्रेस के पूर्व विधायक दिलीप बंसोड़ ने भी यहां मजबूत उम्मीदवार उतारकर रणनीति बनानी शुरू कर दी है.

राष्ट्रवादी कांग्रेस (शप) पार्टी ने रविकांत बोपचे और शिवसेना शिंदे गुट ने भी उम्मीदवार उतारे हैं, लेकिन उनका लोगों पर कितना असर होगा, इसका अंदाजा लगाना नामुमकिन है. यह तस्वीर 3 दिसंबर को आने वाले नतीजों पर ही साफ होगी.

**दूसरी पार्टियां कितनी असरदार?-** गोरेगांव और सालेकसा नपं में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, उद्धव सेना, शिंदे सेना ने भी अपने उम्मीदवार उतारे हैं. कुछ मजबूत निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में हैं. क्योंकि दोनों जगहों पर वोटर्स की संख्या कम है, इसलिए हर कोई ज्यादा से ज्यादा वोटर्स तक पहुंचकर उनका दिल जीतने की कोशिश कर रहा है. लेकिन वे कितने असरदार होते हैं, यह तो नतीजों के बाद ही साफ होगा.

### तिरोड़ा नप चुनाव पर नजर

चुनाव तिथि- 2 दिसंबर
कुल सीटें - 20
पार्षद उम्मीदवार- 91
नगराध्यक्ष उम्मीदवार- 7

नगराध्यक्ष के लिए मुकाबला
भाजपा - अशोक असाटी
राकां (अप) - अजय गौर
कांग्रेस - गजेंद्र सिंगनजुड़े

# चुनाव कैसे बन गए राष्ट्रीय दिलचस्पी का अखाड़ा

## क्यों हो रही ज़ोहरान ममदानी की चर्चा

**मुंबई. आखिरकार अगले साल बृहन्मुंबई नगर निगम के चुनाव के लिए तैयार है. बीएमसी चुनाव महज एक स्थानीय निकाय चुनाव नहीं, बल्कि इसका प्रभाव मुंबई की भौगोलिक सीमाओं से कहीं आगे राष्ट्रीय राजनीति के समीकरणों को प्रभावित करता है.**

यही कारण है कि यह राष्ट्रीय मीडिया के लिए आकर्षण का केंद्र बिंदु बना रहता है. लेकिन इस बार बीएमसी चुनाव की तुलना न्यूयॉर्क शहर के मेयर चुनाव से की जा रही है, जिसमें ज़ोहरान ममदानी विजेता के रूप में उभरे थे. वित्तीय राजधानी पर शासन करने वाली पार्टी का राज्य में भी सत्ता में है. इस वजह से बीएमसी और न्यूयॉर्क मेयर चुनाव के बीच समानताएं पैदा होती हैं. हालांकि दोनों शहरों में मेयरों के चुनाव की प्रक्रिया या उनके पास मौजूद शक्तियों में कोई समानता नहीं है. लेकिन यह बात दिलचस्प है कि मुंबई की तुलना न्यूयॉर्क से की जा रही है.

बीएमसी का वार्षिक बजट बहुत बड़ा होता है, जिसके कारण इस पर नियंत्रण पाने के लिए देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टियां अपनी पूरी ताकत लगाती हैं. बीएमसी का बजट लगभग 75,000 करोड़ रुपये है, जो बेंगलुरु के निकाय से लगभग चार गुना अधिक है. वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बीएमसी ने 74,427 करोड़ रुपये का बजट पेश किया है. यह बीएमसी को भारत का सबसे अमीर नगर निगम बनाता है.

### क्यों हो रही ममदानी के चुनाव से तुलना

जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क के मेयर चुनाव (प्राथमिक/प्राइमरी) में डेमोक्रेटिक पार्टी के दिग्गज उम्मीदवार को हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी. ममदानी का अभियान मुख्य रूप से किफायती आवास, मुफ्त बस सेवा और अन्य नागरिक/सामाजिक न्याय के मुद्दों पर केंद्रित था. उन्होंने 'डीकम्मोडिफिकेशन' (आवश्यक जरूरतों को बाजार से हटाकर सामाजिक अधिकार बनाना) के एजेंडे को आगे बढ़ाया. बीएमसी चुनाव का मुद्दा पानी, सड़कें और नागरिक सुविधाएं होनी चाहिए, लेकिन यह अक्सर पहचान की राजनीति और शिवसेना की विरासत की लड़ाई में बदल जाता है.जिससे वास्तविक नागरिक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं.

# संजय सिंह की अलग राजनीति

**बिहार. बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल के बुरी तरह से हारने के बाद सोशल मीडिया में एक मीम बहुत लोकप्रिय हुआ, जिसमें संजय नाम के लोगों का मजाक बनाया गया है. कहा जा रहा है कि संजय राउत ने उद्धव ठाकरे को, संजय सिंह ने अरविंद केजरीवाल को और संजय यादव ने तेजस्वी यादव को डूबा दिया.**

हालांकि संजय सिंह के बारे में यह बात बहुत सही नहीं है क्योंकि अरविंद केजरीवाल उनकी या किसी की भी राय से काम नहीं करते हैं. वे अपने को सर्वज्ञ मानते हैं और समझते हैं कि उनको किसी से सलाह लेने की जरुरत नहीं है. वे जो कुछ भी करते हैं खुद करते हैं. उनके अलावा उनकी पार्टी के नेता जो काम करते हैं उसकी वे चर्चा भी नहीं करते हैं. मिसाल के तौर पर उनकी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह पिछले कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश में यात्रा कर रहे थे. उन्होंने अयोध्या से पदयात्रा शुरू की थी और प्रयागराज तक गए थे. शनिवार, 22 नवंबर को उनकी यात्रा प्रयागराज में समाप्त हुई. लेकिन उनकी इस यात्रा को लेकर अरविंद केजरीवाल ने न तो सोशल मीडिया में एक शब्द लिखा और न कहीं एक भी शब्द बोला. ऐसा लग रहा है कि संजय सिंह ने अपने दम पर यात्रा शुरू की थी. वे अगले साल के विधानसभा चुनाव से पहले अपने गृह प्रदेश उत्तर प्रदेश में अपना कुछ आधार बनाना चाहते हैं ताकि आगे की राजनीति चल सके.

**विशेष** उप्र में भी 1 करोड़ 'लखपति दीदी' बनाने का प्लान

# भाजपा का 'मिशन 2027', रणनीति तैयार

**लखनऊ. बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत और 202 सीटों के जादुई आंकड़े से भारतीय जनता पार्टी के रणनीतिकारों के चेहरे पर मुस्कान ला दी है. इस जीत की गूंज अब पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में भी सुनाई दे रही है. बिहार में मिली सफलता के पीछे महिलाओं का एकतरफा समर्थन और 'जीविका दीदी' मॉडल को सबसे बड़ा कारक माना जा रहा है. इसी फॉर्मूले को अब उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार मिशन 2027 के लिए अपना सबसे बड़ा हथियार बनाने जा रही है. राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि यूपी में भी महिलाओं के लिए खजाना खुलने वाला है.**

योगी सरकार के मंत्री और संगठन के पदाधिकारी इस बात को बखूबी समझ चुके हैं कि आज के दौर में महिलाएं किसी भी चुनाव की दिशा बदलने की ताकत रखती हैं. मध्यप्रदेश की लाडली बहना, महाराष्ट्र की माझी लड़की और हरियाणा की योजनाओं के सफल प्रयोग के बाद अब यूपी की बारी है. बिहार चुनाव में जिस तरह महिलाओं के खाते में दस-दस हजार रुपये की सहायता राशि भेजी गई और उसके बाद जो नतीजे आए, उसने यूपी भाजपा को एक नई राह दिखा दी है. अब तैयारी 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने की है, जो सीधे तौर पर विपक्ष के हर समीकरण को ध्वस्त कर सकती है.

**'जीविका' से 'लखपति' तक का सफर-** बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने चुनाव से ठीक पहले महिला रोजगार योजना के तहत हर परिवार की एक महिला को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए दस हजार रुपये की आर्थिक मदद दी थी. इसका असर यह हुआ कि एनडीए को उम्मीद से ज्यादा सफलता मिली. यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, जो बिहार चुनाव में पर्यवेक्षक की भूमिका में थे, उन्होंने इस 'साइलेंट वोटर' की ताकत को करीब से देखा है. लखनऊ लौटते ही उन्होंने अधिकारियों के सामने एक बड़ा लक्ष्य रख दिया है. पहले जहां लक्ष्य छोटा था, वहीं अब यूपी में एक करोड़ लखपति दीदी बनाने की तैयारी है.

### लोकसभा चुनाव में सीटों की गिरावट से सतर्क

भले ही सीएम योगी आज पीएम मोदी के बाद देश के सबसे लोकप्रिय स्टार प्रचारक हैं और उनके पास सत्ता का लंबा अनुभव है, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में मिली सीटों की गिरावट ने पार्टी को सतर्क कर दिया है. विधानसभा चुनाव में अब बमुश्किल 13 से 14 महीने का वक्त बचा है. दिल्ली की सत्ता का रास्ता यूपी से होकर जाता है, इसलिए भाजपा नेतृत्व कोई रिस्क नहीं लेना चाहता. पार्टी का पूरा फोकस अब यूपी की सवा सात करोड़ महिला वोटरों पर है. पश्चिम बंगाल चुनाव निपटाने के बाद पार्टी अपनी पूरी ताकत यूपी के रण में झोंक देगी, जिसकी धुरी इस बार 'लखपति दीदी' बनने वाली है.